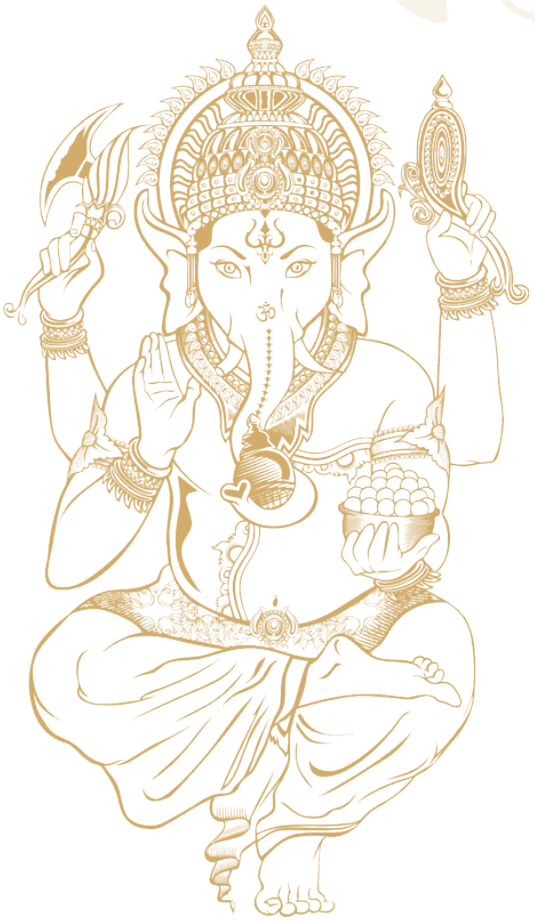

Rohit

Bhavani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121648108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/02/1992	जन्म तिथि	07/11/1994
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	11:54:00 घंटे
घटी 39:07:51	जन्म समय(घटी)	13:25:59 घटी
India	देश	India
Kantaphor	स्थान	Indore
22:35:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
76:34:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:44	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:51	सूर्योदय	06:34:25
18:23:51	सूर्यास्त	17:45:41
23:45:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:17

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 0मा 8दि		07:44:47	तुला	लग्न	मक	03:10:23	केतु 0वर्ष 5मा 9दि	
बुध		10:34:56	कुंभ	सूर्य	तुला	20:49:38	चन्द्र	
03/03/2025		21:38:48	तुला	चंद्र	धनु	12:29:30	17/04/2021	
04/03/2042		10:28:22	मक	मंगल	कर्क	23:33:54	17/04/2031	
बुध	31/07/2027	20:01:46	कुंभ	बुध	तुला	02:10:13	चन्द्र	15/02/2022
केतु	27/07/2028	16:37:25	सिंह व	गुरु	तुला	29:06:52	मंगल	16/09/2022
शुक्र	28/05/2031	12:25:53	मक	शुक्र व	तुला	13:56:54	राहु	17/03/2024
सूर्य	03/04/2032	18:24:16	मक	शनि व	कुंभ	11:53:42	गुरु	17/07/2025
चन्द्र	02/09/2033	14:21:36	धनु व	राहु व	तुला	21:01:05	शनि	16/02/2027
मंगल	30/08/2034	14:21:36	मिथु व	केतु व	मेष	21:01:05	बुध	17/07/2028
राहु	19/03/2037	22:53:03	धनु	हर्ष	धनु	29:09:07	केतु	15/02/2029
गुरु	25/06/2039	24:21:02	धनु	नेप	धनु	27:08:07	शुक्र	17/10/2030
शनि	04/03/2042	29:12:14	तुला	प्लूटो	वृश्चि	03:39:21	सूर्य	17/04/2031

लग्न-चलित

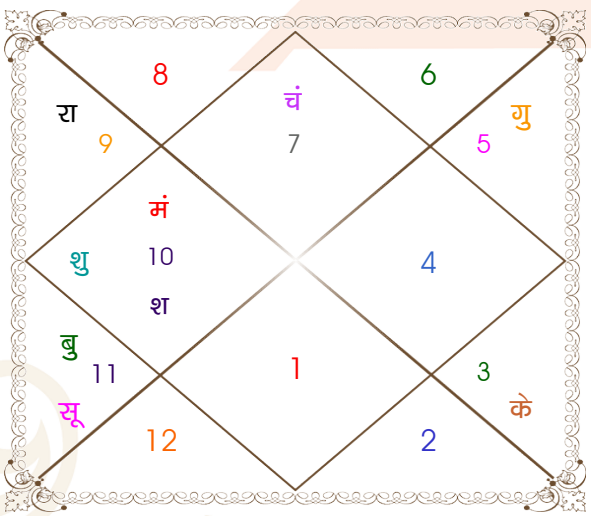

लग्न-चलित

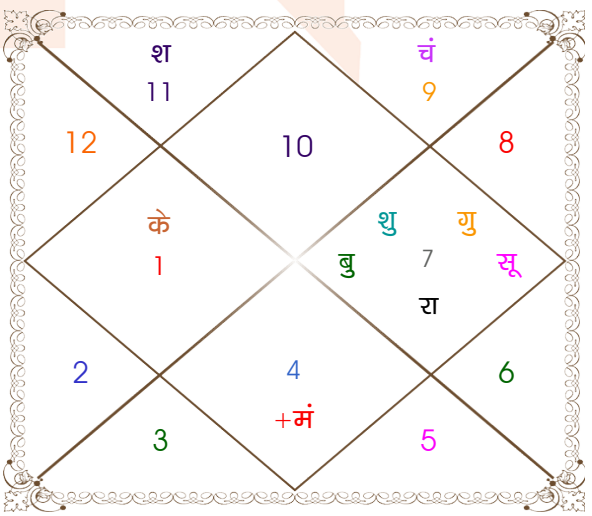

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Rohit का वर्ग सर्प है तथा Bhavani का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rohit और Bhavani का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rohit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rohit कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhavani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Bhavani कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Bhavani कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rohit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rohit तथा Bhavani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।